

[illegible][illegible]

किं नागमि सङ्गं यथाथाखा गुर्वसु ॥ २ ॥ विद्यायाया वनायाया दूर्वासाकोमिकामरु ॥ ३ ॥ गी ॥ विवतावा
 या कीन्दनायाया नवव ॥ ३ ॥ रुववाय कर्मसङ्गं अनायक गुर्वसु ॥ विद्यना ॥ धाधसाम ॥ वमिहा विद्य
 यक ॥ ४ ॥ गनायय गुर्वसु ॥ धीर्जी कव गुर्वसु ॥ नायाय धाय दान्कन ॥ धीमदी लाद्य विद्य ॥ ५ ॥ गुर्वधी विम
 लानन्द दधिकन्दो कि गीय ॥ नवाया दयसादन ॥ सामानन्दयकी कि ॥ ६ ॥ गुर्वया दयकसुम्मा ॥ रुववनिन्द
 र्मसङ्गं ॥ सङ्गनाकि समायाग ॥ नामासायय दानिका ॥ वनायय कवायय विवादिनि गुर्वकर्म ॥ ७ ॥ गुर्वकर्मय
 ॥ ० ॥ यमु चिसं धाद्ययानि ॥ न्यासपूजायादीनां अन्नकुरुलमायुयाग ॥ ८ ॥ नृतिगीया गुयमधी गुर्वकर्म
 समार्य ॥ ॥ अथमानविधि ॥ पुं नृकोणीं अं अं सो ॥ कवकावर्ण ॥ कीलकनेवन ॥ ९ ॥ कीकामदवायमवर्णन
 यियायनम ॥ नृतिदक ॥ १० ॥ धीमदा लम्बिनम ॥ ११ ॥ रुवव ॥ नृतिविद्यया मूर्खय काल्या वम ॥ १२ ॥ सो ॥ १३ ॥ रुवक

[illegible]

४६० कवचाय नमः ॥ ४६१ सं ३ नमः ॥ ४६२ यो यो ॥ ४६३ सो ॥ ४६४ नो ॥ ४६५ की ॥ ४६६ दा ॥ ४६७ आ ॥ ४६८ इ ॥ ४६९ ए ॥ ४७० ओ ॥ ४७१ नमः ॥ ४७२ अथ मूलं नमः ॥ ४७३ यो यो ॥ ४७४ यो यो ॥ ४७५ यो यो ॥ ४७६ यो यो ॥ ४७७ यो यो ॥ ४७८ यो यो ॥ ४७९ यो यो ॥ ४८० यो यो ॥ ४८१ यो यो ॥ ४८२ यो यो ॥ ४८३ यो यो ॥ ४८४ यो यो ॥ ४८५ यो यो ॥ ४८६ यो यो ॥ ४८७ यो यो ॥ ४८८ यो यो ॥ ४८९ यो यो ॥ ४९० यो यो ॥ ४९१ यो यो ॥ ४९२ यो यो ॥ ४९३ यो यो ॥ ४९४ यो यो ॥ ४९५ यो यो ॥ ४९६ यो यो ॥ ४९७ यो यो ॥ ४९८ यो यो ॥ ४९९ यो यो ॥ ५०० यो यो ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

कामानमवाप्नुयात् ॥ ४ जंतुमारुगवति धर्कश्चिपूत्रसूक्तबीदूर्जतिताविलिङ्गुं यौं वौं सत्र २ विस्रव विस्रव स्रव
वद २ वाग्मादिनिस्त्राहा डीं नमः ४ धीं नमः ४ यीं नमः ४ रुं नमः ४ कौं नमः ४ स्रवा सूत्रवन्दि नमः कलद्रगल्लुङ्गिनि
धीं धीं धीं कालिदां डां डां विदिभां भां भां निरुं सुं सुं मिनि आं आं आ कर्षो लियत्र सूक्त गनमः ४ कमलवापि
नित्रय २ वविवलिनि २ डां डां डां कालि डीं डीं डीं कावि दूं दूं दूं कावि लां लां लां किनि कां कां का किनि वां वां वा कि
नि सां सां सा किनि जां जां जा किनि हां हां हा किनि युं नां कवि २ विंग २ कुम २ वद २ सुख २ नूत २ मालिनिम
हामाया तलविग्रह अरूय अमलविमल अकिन अयवादिन वद २ मद २ रुव २ रीरुव २ नृरु २ पुं
कूव कूली किटि २ पुं दूय ४ यो ४ कौने जां मां नद २ नाद वीरि जां मां ३ यो ३ मां ३ लां ३ वां ३ धी ३ यो ३ मां ३
जां ३ दू ३ गोविबूद दयि न वदि धी वद नायिक कया लमाला धरय नासन निवासिनि सर्वगत्वा वता वज्रव

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible][illegible]

सवयचिह्नान् पायंरुद्ररुद्रं नमः॥ सूर्यः ४ सामायमः ३ कालः महाकृत्तानिर्धवव। नृगिगुणो गुरुस्थरु
 कर्मनानवमाकि ४॥ नृत्तुत्रायोर्दुद्रुद्रं नृत्तिकाधदृष्टाया ४ वृद्धयमृद्धमधः ४ वालाकनिर्मलाहृत्वा १ गहो
 क ४ यविश्रयादीयकात्वाचम्य पूजागमागद्य सामान्यायादकनद्यानमस्युक्त ॥ गदूद्वंशवार्यादक ॥ ४ म
 हालक्षेत्रनमः॥ वाम ॥ ४ सांसवसुधेनमः॥ म ॥ ४ दूद्वंशेय ॥ ४ गतादकवाम ४ वरव ४ ४ गं ४ विनिध
 यनमः॥ ४ यं यं निध २ ॥ गदूद्वंशेय ॥ ४ कीकामदेवाय २ ॥ ४ ववसनाय २ ॥ पूनसुद्रुद्रदकवाम
 ॥ ४ गगलाभाय २ ॥ गदूद्वंशेय २ ॥ गं ४ गं गं गं २ ॥ ४ यं यं मनाय २ ॥ ४ धं धं २ ॥ ४ विनिध
 या २ ॥ ४ मं धं २ ॥ ४ यं यं यं २ ॥ ४ ववसनाय २ ॥ ४ वयं वयं दक ॥ ४ ग ॥ ४ सांसवसुधे २
 ॥ वाम ॥ ४ सांसवसुधे २ ॥ ४ गं ४ गं २ ॥ ४ लां लां क २ ॥ ४ अ ॥ ४ वां वां गी २ ॥ ४ म ॥ ४

२४

सिद्धोद्याय २ ॥ अ ॥ ४ मानोद्याय २ ॥ नृत्तिसंयुक्त ४ ववसुधे ४ ग ॥ ४ सांसवसुधे २
 ह ॥ ४ क ॥ ४ नृत्तिसंयुक्त ४ ववसुधे ४ ग ॥ ४ सांसवसुधे २
 धाविनी नाली ४ ॥ ४ ववसुधे ४ वीदीयीनयनसुधे ॥ ४ मृककधीविवसनां सर्वार्थकावसुधे ॥ ४ सांसवसुधे २
 नान्मृकत्यधुद ॥ ४ नृत्तिसंयुक्त ४ ववसुधे ४ ग ॥ ४ सांसवसुधे २
 मृगयधुतिवसुधे ४ ववसुधे ४ ग ॥ ४ सांसवसुधे २
 वमद्याधुतिवसुधे ४ ववसुधे ४ ग ॥ ४ सांसवसुधे २
 यरुताविद्यककवि ४ ववसुधे ४ ग ॥ ४ सांसवसुधे २
 कर्मद्याकानावामांगमकावनमार्गदला ४ ॥ ४ सांसवसुधे २

नमो यथा श्रीमान् यावत्तदा नमो विष्णु गान् दिवा दृष्टुं वलाकन दिशान् ॥ इति विष्णु गयन स्मार्था ॥ या काविर्ग
हृता रुमो यथा नमो विष्णु गान् ॥ दिविलास्यन्ति नाथ वरुन धनुषि वाक्य ॥ ॐ ब्रह्माय वामयादयूव ४ सर्वदह लिता
लीलां ययन मधुयान् मोनी शुद्धात्मा हृदि दवी यवा मृदाना यविष्णु कां धर्य भवादन पूर्वकी द्वावमा च्छा
वामा । यद्विगेशार्था नाथन या कथना मधुयान् करी ॥ ४ वासां धियगाय वक्त्रा यनम ॥ ४ कूलनाथ धी ॥ ॐ तिनि
मय ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥ १५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥ १६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥ १७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥ १८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥ १९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥ २०१ ॥ २०२ ॥ २०३ ॥ २०४ ॥ २०५ ॥ २०६ ॥ २०७ ॥ २०८ ॥ २०९ ॥ २१० ॥ २११ ॥ २१२ ॥ २१३ ॥ २१४ ॥ २१५ ॥ २१६ ॥ २१७ ॥ २१८ ॥ २१९ ॥ २२० ॥ २२१ ॥ २२२ ॥ २२३ ॥ २२४ ॥ २२५ ॥ २२६ ॥ २२७ ॥ २२८ ॥ २२९ ॥ २३० ॥ २३१ ॥ २३२ ॥ २३३ ॥ २३४ ॥ २३५ ॥ २३६ ॥ २३७ ॥ २३८ ॥ २३९ ॥ २४० ॥ २४१ ॥ २४२ ॥ २४३ ॥ २४४ ॥ २४५ ॥ २४६ ॥ २४७ ॥ २४८ ॥ २४९ ॥ २५० ॥ २५१ ॥ २५२ ॥ २५३ ॥ २५४ ॥ २५५ ॥ २५६ ॥ २५७ ॥ २५८ ॥ २५९ ॥ २६० ॥ २६१ ॥ २६२ ॥ २६३ ॥ २६४ ॥ २६५ ॥ २६६ ॥ २६७ ॥ २६८ ॥ २६९ ॥ २७० ॥ २७१ ॥ २७२ ॥ २७३ ॥ २७४ ॥ २७५ ॥ २७६ ॥ २७७ ॥ २७८ ॥ २७९ ॥ २८० ॥ २८१ ॥ २८२ ॥ २८३ ॥ २८४ ॥ २८५ ॥ २८६ ॥ २८७ ॥ २८८ ॥ २८९ ॥ २९० ॥ २९१ ॥ २९२ ॥ २९३ ॥ २९४ ॥ २९५ ॥ २९६ ॥ २९७ ॥ २९८ ॥ २९९ ॥ ३०० ॥ ३०१ ॥ ३०२ ॥ ३०३ ॥ ३०४ ॥ ३०५ ॥ ३०६ ॥ ३०७ ॥ ३०८ ॥ ३०९ ॥ ३१० ॥ ३११ ॥ ३१२ ॥ ३१३ ॥ ३१४ ॥ ३१५ ॥ ३१६ ॥ ३१७ ॥ ३१८ ॥ ३१९ ॥ ३२० ॥ ३२१ ॥ ३२२ ॥ ३२३ ॥ ३२४ ॥ ३२५ ॥ ३२६ ॥ ३२७ ॥ ३२८ ॥ ३२९ ॥ ३३० ॥ ३३१ ॥ ३३२ ॥ ३३३ ॥ ३३४ ॥ ३३५ ॥ ३३६ ॥ ३३७ ॥ ३३८ ॥ ३३९ ॥ ३४० ॥ ३४१ ॥ ३४२ ॥ ३४३ ॥ ३४४ ॥ ३४५ ॥ ३४६ ॥ ३४७ ॥ ३४८ ॥ ३४९ ॥ ३५० ॥ ३५१ ॥ ३५२ ॥ ३५३ ॥ ३५४ ॥ ३५५ ॥ ३५६ ॥ ३५७ ॥ ३५८ ॥ ३५९ ॥ ३६० ॥ ३६१ ॥ ३६२ ॥ ३६३ ॥ ३६४ ॥ ३६५ ॥ ३६६ ॥ ३६७ ॥ ३६८ ॥ ३६९ ॥ ३७० ॥ ३७१ ॥ ३७२ ॥ ३७३ ॥ ३७४ ॥ ३७५ ॥ ३७६ ॥ ३७७ ॥ ३७८ ॥ ३७९ ॥ ३८० ॥ ३८१ ॥ ३८२ ॥ ३८३ ॥ ३८४ ॥ ३८५ ॥ ३८६ ॥ ३८७ ॥ ३८८ ॥ ३८९ ॥ ३९० ॥ ३९१ ॥ ३९२ ॥ ३९३ ॥ ३९४ ॥ ३९५ ॥ ३९६ ॥ ३९७ ॥ ३९८ ॥ ३९९ ॥ ४०० ॥ ४०१ ॥ ४०२ ॥ ४०३ ॥ ४०४ ॥ ४०५ ॥ ४०६ ॥ ४०७ ॥ ४०८ ॥ ४०९ ॥ ४१० ॥

[illegible]

नीष्टचक्रस्मयनकमनमूलाध्वजमानय ॥ नृतिरुतगुह्यि ॥ ॥ अथपाध्यायिका ॥ अथदीपाध्यायिका
सामलेखवक्राविष्णुमहेश्वरः सविः शिवसि ॥ मग्योद्गः सामाधर्वातिचुन्दः ॥ ४ ॥ दीपाध्यायिका किं देवता ह
दि ॥ ४ ॥ अथदीर्घं नारी ॥ ४ ॥ दीर्घाकिः ४ गुह्य ॥ ४ ॥ कांकीलकं यादथा ॥ ममयाध्यायिका ॥ अथदीर्घादिनियोगः ॥
नृतिदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥
सयः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥
४ ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥
४ ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥
४ ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥ अथदीर्घादिनामाह काकनमः ॥

[illegible]

हुं॥४॥डांयं४॥डो ननुयायवोषट्॥४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥
 वायां२॥४॥वै४॥वै४॥ननुनीत्यां२॥४॥डं४॥डं४॥मध्यामायां२॥४॥ननु४॥
 कोकनित्यायां२॥४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥
 मियूवकी॥४॥कं२॥३मं॥४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥
 मित्दूवकात्मिममिनारुवदात्मिनं विद्याकसूत्रमगयातववेदधर्न।यावृषि॥रुगवतिमपिका
 नाकी॥अयं४॥वाड४॥नयूसकवर्षमाला॥४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥
 गुहमूल॥४॥४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥
 ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥

दधनययवमयबलवधमरुल्लह॥४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥
 अथविन्दुमाहकात्याय॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥
 ॥४॥दवीमायणीचुन्द४॥मूख॥४॥धीमाहकासबस्तेकीदवताहदि॥४॥
 ॥४॥अं४॥अं४॥अं४॥अं४॥अं४॥अं४॥अं४॥अं४॥अं४॥अं४॥
 धीविद्यागितनन्यासविनियोग४॥४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥ननु४॥
 अमं४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥४॥
 रुमंडो ननुयायवोषट्॥४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥
 स्वंगंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥अंयं४॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

मा॥४॥ धीं लं २ वामादि ॥ ४ धीं वं नमः ॥ क कूदि ॥ ४ धीं घं २ द कू कू ॥ ४ धीं षं २ वामक कू ॥ ४ सं २ ददादियादया ॥ ४
धीं हं २ ददादिक वया ॥ ४ धीं लं २ ३० लयायक ॥ ४ धीं कं नमः ॥ मूरवयायक ॥ ४ अं ३० क ॥ सर्वगयायक ॥
ॐ ति धी वी ज मा ह का न्याय ॥ ४ ॥ अथवा ला सै य टि त मा ह का न्याय ॥ ४ अथ धी वा ला य टि त मा ह का न्याय ॥
द कू टा मूर्ति मयि ४ मयि ॥ गायत्री कू न्द ४ मूरव ॥ ४ धी वी ला मा ह का द व मा ह दि ॥ वी ज ग कि की ल की पू व व
न्या वि नि या ग ॥ ॐ ति मया दि ॥ ॥ पुं नं कौं धीं नं अं कं अं नं अं रु धा र्यां १ ॥ ४ कौं नं वं अं नं कौं नं जि नी र्यां २
४ मों १ डं १ डं १ डं १ मय मा र्या नमः ॥ ४ नं नं गं नं नं नं नामिका र्या नमः ॥ ४ कौं डों यं अं डी कौं क नि द्या र्यां १ ॥
४ मों १ अं र्यां १ मों १ क व ल क व य र्यां १ ॥ न वं द द या दि न्याय ॥ ॐ ति क व म उं ग न्याय ॥ ४ ध्या न्याय ॥
तना म्याय ॥ य ॥ न्द ए कि रु य स न व द ना न पु य हा सि ता मि तु की व य विल त री मा ल्या न ले र्यां व र्यां

नं १ ॥ य ॥ ४ नं कौं मों १ कं मों १ कौं नं १ ॥ ना को ॥ ४ नं कौं मों १ मं मों १ कौं नं १ ॥ ३० व ॥ ४ नं कौं मों १ यं मों १ कौं नं १
॥ ह दि ॥ ४ नं कौं मों १ वं मों १ कौं नं १ ॥ द कू म ॥ ४ नं कौं मों १ लं मों १ कौं नं १ ॥ वामा म ॥ ४ नं कौं मों १ वं मों १ कौं नं १
क कू दि ॥ ४ नं कौं मों १ धं मों १ कौं नं १ ॥ द कू कू ॥ ४ नं कौं मों १ यं मों १ कौं नं १ ॥ वामक कू ॥ ४ नं कौं मों १ मं मों १
कौं नं १ ॥ ददादियादया ॥ ४ नं कौं मों १ हं मों १ कौं नं १ ॥ ददादिक वया ॥ ४ नं कौं मों १ लं मों १ कौं नं १ ॥ ३० व
यायक ॥ ४ नं कौं मों १ कं मों १ कौं नं १ ॥ मूरवयायक ॥ ४ अं ३० कं १ ॥ सर्वगयायक ॥ ॐ ति वा ला य टि त मा
ह का न्याय ॥ ४ ॥ अथवा ला सै य टि त मा ह का न्याय ॥ ४ अथ धी वा ला य टि त मा ह का न्याय ॥
॥ गायत्री कू न्द ४ मूरव ॥ धी वी ला मा ह का द व मा ह दि ॥ ४ ह ली व डं ना को ॥ ४ मय मा र्यां १ पु कू ॥
४ मों १ अं र्यां १ मों १ क व ल क व य र्यां १ ॥ न वं द द या दि न्याय ॥ ॐ ति क व म उं ग न्याय ॥ ४ ध्या न्याय ॥
तना म्याय ॥ य ॥ न्द ए कि रु य स न व द ना न पु य हा सि ता मि तु की व य विल त री मा ल्या न ले र्यां व र्यां

ये २॥ वामयादांगुलि (यय) ॥ ४ पाँडि रंजय धनुर्वराये २॥ दक्षकृष्णे ॥ ४ रुंभना लोया सिन्धु नमः ॥ वामकृष्णे ॥ ४ वंश
मणि नवाग्रे २॥ यष्ट ॥ ४ रुंभना यचं दिकाये नमः ॥ नाको ॥ ४ मं विमलाय गणिय रुयि २॥ रुंभ ॥ ४ यं मरु वादना
यलं लाये नमः ॥ रुदि ॥ ४ वंश टिन रं चलाये २॥ दक्षकृष्णे ॥ ४ लं माधुन मय्य २॥ वामासि ॥ ४ वंश विन दक्ष नाये
२॥ ककदि ॥ ४ वंश वंश यम रु नाये २॥ दक्षकृष्णे ॥ ४ वंश वंश वंश विनाये २॥ वामकृष्णे ॥ ४ मं रु रु यियाय द
म्भाये नमः ॥ रुदादि यदया ३॥ ४ रुंभना दाय कालिकाये २॥ रुदादि कवया ३॥ ४ लं ग (ग) नाये कृष्णे २॥ रुंभ
वयाय के ॥ ४ रुंभना राडा विद्युदा वि (ये) नमः ॥ मखयाय के ॥ ४ रुंभ २ अं ३॥ सो ४ २ विद्यु ४ व विद्यादियं रा ४ रुंभ
धमिथ नवृयि (ये) धीमहा पिपू वम रुथये नमः ॥ रुंभ मर्जा (ग) नाये के ॥ मा रु का (ग) न्ये सद् वि (ग) रु रु ल्हा नमः वंश रुमा
ना ग (ग) नाये मयो (ग) न विषुदाय मय वंश रुंभ ॥ सो न्य मया वनाद वि रुंभ वन मं राय ४ ग (ग) नाये मय (ग) न वि

४३

लं वंश वंश मय २ ॥ मां पूजा गृह २ ॥ यूर्यद विनं धा वद वि कुं म ४ य व म धा वं धा वं य व न कृ दिन म धा म (४)
वेल वं रुये ॥ मला पिपू वम रुथये नमः ॥ रुंभ विन मय य विन ३॥ ४ वं वं दि न्ये नमः ॥ ४ रुं रुद का ल्ये २॥ ४ मं म रु ल ल
२॥ ४ यं य धा म्भि न्ये नमः ॥ ४ वं व माये २॥ ४ लं लं वाद ये नमः ॥ रुंभ विन मय मी धा य म ॥ रुंभ विन मय मी धा य म
वम रु ल ल लि न व द व रुंभ वि (ग) नाये यी ना रुंभ वय नीं रुंभ विन मय मी धा य म ॥ रुंभ विन मय मी धा य म
मलि म द म दि नां व रुंभ विन मय मी धा य म ॥ रुंभ विन मय मी धा य म ॥ रुंभ विन मय मी धा य म ॥ रुंभ विन मय मी धा य म
का किनी न्या म ३॥ ॥ रुंभ मू ला धा वं च रुंभ ल क म ल क रुंभ काये ॥ ४ सांसी रुंभ रुंभ रुंभ रुंभ रुंभ रुंभ रुंभ रुंभ रुंभ रुंभ रुंभ
मा रुंभ रुंभ रुंभ २ ॥ सर्व म ल व र्ण क वी द या ग रुंभ २ ॥ मां पूजा गृह २ ॥ यूर्यद विनं धा वद वि कुं म ४ य व म धा वं धा

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

अ० ॥ ४० ॥ ड० केला गयी ॥ ४० ॥ ड० दन्त यकी ॥ ४० ॥ ड० गुन मययी ॥ ४० ॥ अ० दन्त यकी ॥ ४० ॥ अ० कदा
 ययी ॥ ४० ॥ क० ॥ ४० ॥ अ० चन्द्र ययी ॥ ४० ॥ अ० ॥ ४० ॥ क० धीयी ॥ ४० ॥ द० वा दू मूल ॥ ४० ॥ ख० डोका ययी ॥ ४० ॥
 द० दू ययी ॥ ४० ॥ ग० जाल ययी ॥ ४० ॥ न० म० ॥ द० म० गिर्वर ॥ ४० ॥ य० माल ययी ॥ ४० ॥ द० कां गुलि मूल ॥ ४० ॥
 का० नाक ययी ॥ ४० ॥ द० अ० गुला ययी ॥ ४० ॥ च० द० वीका ययी ॥ ४० ॥ वा० म० वा दू मूल ॥ ४० ॥ द० कां गुलि मूल ॥ ४० ॥
 वा० म० ययी ॥ ४० ॥ द० म० वृत्त ययी ॥ ४० ॥ वा० म० गिर्वर ॥ ४० ॥ म० अ० द० ययी ॥ ४० ॥ वा० म० गुलि मूल ॥ ४० ॥
 वि० वा० ययी ॥ ४० ॥ वा० म० गुला ययी ॥ ४० ॥ द० वा० गुला ययी ॥ ४० ॥ द० उ० मूल ॥ ४० ॥ म० द० ययी ॥ ४० ॥
 ४० ॥ क० ल० गिर्वर ॥ ४० ॥ द० गुला ययी ॥ ४० ॥ द० य० ययी ॥ ४० ॥ द० कां गुलि मूल ॥ ४० ॥ ४० ॥ का० म० ययी ॥ ४० ॥
 द० य० द० गुला ययी ॥ ४० ॥ ४० ॥ द० य० ययी ॥ ४० ॥ वा० म० द० मूल ॥ ४० ॥ ४० ॥ द० न० ययी ॥ ४० ॥ वा० म० द० ययी

दक्षयणी०॥ वामगुल्फ॥ ४०॥ कीचिकयी०॥ वामघादागुलिसूला॥ ४१॥ नंदकितायूचयी०॥ वामघादा
 गुल्फा॥ ४२॥ यड्डिगयी०॥ दक्षकूक्षी॥ ४३॥ रुंययागयी०॥ वामकूक्षी॥ ४४॥ वक्ष्ययी०॥ यष्ट
 ॥ ४५॥ मायायूचयी०॥ नाभी॥ ४६॥ मंगलानिवियी०॥ ऊ०३॥ ४७॥ यंघीमेलयी०॥ हृदि॥ ४८॥ मंभूनि
 वियी०॥ दक्षीम॥ ४९॥ लंसहृदयी०॥ वामांस॥ ५०॥ वंवासनयूचयी०॥ कक्षदि॥ ५१॥ हंदिब॥ ५२॥ य
 चयी०॥ दक्षकक्ष॥ ५३॥ मंमहालक्ष्मीयूचयी०॥ वामकक्ष॥ ५४॥ मंडूनीयी०॥ हृदादियादया॥ ५५॥
 ॥ ५६॥ ध्यायाकूचयूचयी०॥ हृदादिकचयी॥ ५७॥ लंडलंघ्ययी०॥ ऊ०३॥ वायव्य॥ ५८॥ कूचयचि
 त्तयूचयी०॥ यनम॥ ५९॥ मुखवायव्य॥ ६०॥ ऊ०३॥ कामयूचयादिगिर्यवाहययी०॥ नृपि॥ ६१॥ मंमहालक्ष्मीयूचसू
 चयी०॥ नम॥ ६२॥ निसर्वा॥ ६३॥ वायव्य॥ ६४॥ नृपि०॥ न्यास॥ ६५॥ ॥ अ॥ ६६॥ न्यासहृत्॥ ६७॥ नदकूक्षीना॥ ६८॥

ॐ श्रीं ॐ ॐ कामध्वजकामध्वरी स्था नमः ॥ सर्वज्ञाय नमः ॥ ॐ तिस्रों गद्याय ॐ तिस्रों कामध्वरी नमः ॥ ॐ तिस्रों महायाध्वयतयविवाहकावाया श्रीमेदीनध्विन्ननावाय धुयुयाधुयतधी चवधी नविन्द द
न्दातवासिनाधी मदिमलानन्दयाधुयतनविन्नविनायाँ ललिताबाधनद्वर्गसाहकान्यामादि पूज्यादातर्क
विधिद्वयधनामहितीयायदधः ॥ २ ॥ ॥ श्रीमहावधुकाय नमः ॥ अथ नवयानि न्यासः ॥ अस्याधीन
वयानिन्यासस्य दक्षिणामूर्तिमधिः धिन्नमि ॥ ६ यकिन्दुन्दमुख ॥ गदात्मकधी कलसुन्दरी देवतादुदि
॥ ६ नुं वीरुं नारी ॥ ६ श्रीः ६ धकिः ६ शुक्र ॥ ६ श्रीः ६ वीरुं वीरुदया ॥ ६ ममधी विशांगलं नन्यामि विनियोगः ॥
वालायाया ॥ योम्य ॥ ६ श्रीः ६ गमाववत ॥ ६ श्रीः ६ शुक्रा स्था नमः ॥ ६ श्रीः ६ कुरुनी स्था ॥ ६ श्रीः ६ मधमा स्था ॥ ६
नुं श्रीनामिका स्था ॥ ६ श्रीः ६ कनिद्या स्था ॥ ६ श्रीः ६ कलतन कवय स्था स्था नमः ॥ ६ श्रीः ६ दयादि न्यासः ॥

[illegible]

५८

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

सिद्धिपदायाम् वदिर्दणकदयता ॥ ॐ ति ॥ ॐ सर्वसिद्धिपदादिविधीयादूकांयूडायासि ॥ दत्तनय ॥
४ थं सर्वसंयत्युदादिविधी ॥ नासासून ॥ ४ दं सर्वयिर्यकरीदिविधी ॥ वामनरु ॥ ४ थं सर्वमंगलकाविधी
दिविधी ॥ वामार्धकूली ॥ ४ नं सर्वकामयुदादिविधी ॥ वामार्ध ४ कूली ॥ ४ टं सर्वद्व ४ खविभाचनीदिविधी ॥
दत्तमजानूनि ॥ ४ ०ं सर्वमृत्पुष्पमनीदिविधी ॥ दत्तजानूनि ॥ ४ ३ं सर्वविद्युविवाविधीदवीधी ॥ गुप्ता ॥ ४
टं सर्वगसुन्दरीदिविधी ॥ दत्ता ४ कूली ॥ ४ ६ं सर्वसौभाग्यदायिनीदिविधी ॥ दत्ता ४ कूली ॥ ॐ तिविन्यास
रामांजलि ॥ दणदवा ४ यसीदत्तु ववारायकवासुजा ॥ कृष्णमन्दात्रहावारा ॥ ववदारीतिरुविता ॥ ॐ तिनम
स्तुत्य ॥ स्वददयावविन्द ॥ जियवाहीमदधानि यीनवृत्तघनरुनी ॥ डयज्ञानसदसाका दिवालेकावम
गुता ॥ यूसुर्कश्यमाला ३ ववदंवारुयंकवै ४ दधनीमकलानाभा ॥ ४ यामसर्वसमृद्धिदा ॥ ॐ तिवका ४ यी

[illegible]

दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 कंसर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 धी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 ॥ नासाय ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 यूसुकोकालियाय ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 लिनी ॥ महाकीर्तिद्वयद्वी ॥ साधकानां कल्याणद्वी ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 माधी ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥

॥ ३ ॥

निवावा ॥ सार्वकावा ॥ सायवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥
 ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥ सर्वयवावा ॥
 नीमयूखाय ॥ महालियूवसूक्तये नमः ॥ योनिमदयाय नमः ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 धीमो ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 जयमालविदधना ॥ सिद्धयामिनी ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 विमलावा ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥
 जयनीवा ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥ दक्षस्तन ॥ ४ ॥ सर्वज्ञानमयीदिविधी ॥

दुनीलारा म्बु वदत विरु मिता। वालार्क वयनानीला कर्क चमि तला वन॥ ॐ कू काद धु यथ व वदा
 रुय। शाकिता। वद ध्वरी दन रुका। ग विष्णु धाकि ४ यु की लिता॥ डरु व रुगमाला च सय ४ सेत क रुम रुका॥ अ
 न र्था वत घटित रुय धा य व म ध्वरी॥ धा धा कि ४ ज्ञान म द्वा व वा द रुय क व वि द्वा। वे द्वा धा कि म र्द धा नि
 नू य रुय नि क रु नी॥ ॐ ति धा ला॥ ४ नू की अ मि च क काम नि वि यी ॥ मि गी ध ना धा ति क जा य द्वा धा धि धा
 यि क ॐ धा धा त्म क व द्वा त्म धा कि ॐ धी म हा का म ध्वरी धी॥ अ धा का ॥ ४ की द्वा सूर्य व क जाल
 ध्वरी ॥ ४ धा धा धा ना धा ति क स य द्वा ४ धा धि धा य क ज्ञान धा धा त्म क वि ष्णु त्म धा ॥ ४ की धी म हा व द्वा
 ध्वरी धी॥ द न्क॥ ४ सो ४ म्की साम व क यूर्ध्व नि वि यी ॥ ४ धि धा ना धा ति क म ध्वरी द ४ धा धि धा य क कि
 शा धा धा त्म क व द्वा त्म धा ४ की धी म हा रु ग मालिनी धी॥ वाम॥ ॐ ति वि न्य स्य स्व द द या व वि न्द॥ य

१८

मूव म न्द वी य व या अ य व या य वा य व या च स य र्था या स यूर्ध्व ४ म र्थि ना ४ म वि न्य सा ४ म रु द्वा ४ व वा द ४
 म रु म नि रु नु स्या दा॥ ॐ ति म र्थि ना या या॥ ४ नू या नि म द्वा य द्वा ४ ४ धी द्वा ४ ४ ॐ ति स र्व वि र व धु म द्वा
 य द्वा ॥ च क यूर्ध्व ज्ञा मि म यी॥ ४ मूल य वा य वा ति व रु स्या या गि नी म यूर्ध्व ४ धी धी म हा धि य व स न्द यो न म
 ४ ॐ ति या नि म द्वा य द्वा ॥ ॐ ति न व मा व न न न्या म ४ ॥ ले ॥ ॥ अ ध य च र्थ वि का न्या म ४ ४ मूल म हा
 ल ल्क्ष्मी ध्वरी व द्वा म धि ना स न म र्थि ना स र्व सो का य रु न नी धी म हा धि य व स न्द वी मूल वि श्या म हा ल ल्क्ष्मी धी॥ ४
 न्द व ॥ य द्वा ल्क्ष्मी य द्वा य ग ल्क्ष्मी द ध नी वि व द्वा रु य ॥ धु र्ध्व ग र्ध्व ४ म र्थि ना ल ल्क्ष्मी म का रु वी स म र्थि ना ४ धी न म ४
 म हा ल ल्क्ष्मी ध्वरी व द्वा म धि ना स न म र्थि ना स र्व सो का रु न नी धी ४ धि य व स न्द वी नु का रु व ले ल्क्ष्मी धी॥ ४
 व ॥ ४ म य द्वा य ग यार्ध्व म र्थि ना स र्व सो का रु व ४ व लो धी नू य व धि ४ धा ल ल्क्ष्मी य द्वा य द्वा ॥ ॐ ति धा ला ४ धी

कौंक्षी कमल कमल लय सुखी द २ क्षी क्षी क्षी नमः महा लक्ष्मी ध्वनी चन्द्र मणि तामन मंस्ति ताम सर्व मोक्ष डन
 नी क्षी महा प्रिय वसुन्दरी महा लक्ष्मी क्षी ॥ दक्षि ॥ वा ॥ क ॥ क्षी युगल पाद चार्य च नाम व ॥ आदर्श स्वर
 पार्थिव च त्रय टी च विदुर्गा ॥ विष्णु किल क्षी रुमा र्ण संसार चन्द्र ॥ शिव बा ॥ ॐ तिष्ठात्वा ॥ ६ क्षी क्षी महा ल
 क्ष्मी ध्वनी चन्द्र मणि तामन मंस्ति ताम सर्व मोक्ष डन नी क्षी महा प्रिय वसुन्दरी विष्णु किल क्षी क्षी ॥ यो ध्रुव ॥
 अक्षुभी कसू मा र्ण सा धार्य नी के व र्ण ॥ शिव चक्र गदा यद्म ॥ क्षी दाना सुवाञ्छदा ॥ ॐ तिष्ठात्वा ॥ ६ क्षी क्षी
 क्षी क्षी महा लक्ष्मी ध्वनी चन्द्र मणि तामन मंस्ति ताम सर्व मोक्ष डन नी क्षी महा प्रिय वसुन्दरी सर्व मासा ॥
 क्षी क्षी क्षी ॥ डक्ष ॥ ॐ तिष्ठत क्षी ताम ॥ १ ॥ ॥ ६ मूल महा का ॥ ६ ध्वनी चन्द्र मणि तामन मंस्ति ताम
 सर्व मोक्ष डन नी क्षी महा प्रिय वसुन्दरी मूल का ॥ क्षी ॥ म ॥ ॥ निनर्ण व कृत सना य वञ्छा ती ध्वनी

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

८५

[illegible]

